भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न सं. 544**

23.07.2026 को उत्तर के लिए

**पर्यावरण के लिए जीवनशैली (लाइफ) आंदोलन की प्रगति**

**544. श्री रामराव सखाराम वाडकुटे :**
**श्री सदानंद महालू शेट तानवड़े :**
**डॉ. सतीश पूनिया :**
**श्री उज्जवल देवराव निकम :**
**श्री सुभाष बराला :**

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पर्यावरण के लिए जीवनशैली (लाइफ) आंदोलन के तहत अब तक क्या प्रगति हुई है;

(ख) भारत की जलवायु-संबंधी कार्रवाई में मुख्य उपलब्धियां क्या हैं जिनमें राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान, नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार और उत्सर्जन की तीव्रता में कमी शामिल है;

(ग) 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन सहित एक विकसित देश बनने के भारत के लक्ष्य में इन पहलों का किस प्रकार योगदान है; और

(घ) महाराष्ट्र राज्य में की गई पहलों सहित लाइफ आंदोलन के अंतर्गत शुरू की गई पहलों का ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री :**
**(श्री कीर्तवर्धन सिंह)**

(क) और (घ) मिशन लाइफ (पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली) एक जन-आंदोलन है, जिसका उद्देश्य व्यक्तियों और समुदायों को ऊर्जा की बचत, जल संरक्षण, अपशिष्ट में कमी, ई-अपशिष्ट में कमी, एकल-उपयोग प्लास्टिक का त्याग, स्वस्थ जीवनशैली अपनाना तथा सतत खाद्य प्रणालियों को अपनाना जैसे सात प्रमुख विषयों पर ध्यान केंद्रित करते हुए संपूर्ण सरकार एवं संपूर्ण समाज दृष्टिकोण का पालन करते हुए पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली का अभ्यास करने के लिए प्रेरित करना है। इसका उद्देश्य प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने वाली जीवनशैली अपनाने के लिए नागरिकों को व्यवहार में परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित करना है। अक्टूबर, 2022 में शुरू होने के बाद से मिशन लाइफ के तहत किए गए प्रमुख कार्यकलापों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- मिशन लाइफ के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न हितधारकों द्वारा देशव्यापी जन-भागीदारी अभियान चलाए गए हैं, जिनमें *'वन नेशन, वन मिशन: एंड प्लास्टिक पॉल्यूशन'*,

*हरित योग*, *स्वच्छता ही सेवा*, *विश्व पर्यावरण दिवस अभियान*, *आइडियाज़4लाइफ*, *ई-अपशिष्ट जागरूकता अभियान* तथा माई जीओवी (*MyGov)* और माई भारत पोर्टलों के माध्यम से संचालित अन्य जन-जागरूकता पहलें शामिल हैं। मिशन लाइफ का प्रदर्शन *भारत पर्व*, *इंडिया वाटर वीक*, *महाकुंभ मेला* आदि प्रमुख राष्ट्रीय आयोजनों में परस्तर संवादात्मक डिजिटल प्रदर्शनों के माध्यम से किया गया है। इसके अतिरिक्त, प्रमुख पहल "एक पेड़ माँ के नाम" के अंतर्गत अब तक 272 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं।

- लाइफ- पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली को पेरिस समझौते के अंतर्गत भारत के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित अंशदान (एनडीसी) के गुणात्मक लक्ष्यों में से एक के रूप में शामिल किया गया है।

- मंत्रालय के ईआईएसीपी केंद्रों द्वारा मिशन लाइफ के विभिन्न विषयों पर जागरूकता एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, मिशन लाइफ के अंतर्गत देशभर के विद्यालयों में बच्चों एवं युवाओं के बीच 12 लाख से अधिक ईको-क्लब सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं।

- मंत्रालय द्वारा दो समर्पित डिजिटल प्लेटफॉर्म प्रारंभ किए गए हैं– मिशन लाइफ पोर्टल, जो ज्ञान भंडार के रूप में कार्य करता है, तथा मेरी लाइफ पोर्टल, जिसका उपयोग मिशन लाइफ से संबंधित कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के की संरचित रिपोर्टिंग और निगरानी के लिए किया जाता है। अब तक देशभर में 40 लाख से अधिक मिशन लाइफ कार्यक्रमों में 7.3 करोड़ से अधिक लोगों ने भाग लिया है। इनमें से महाराष्ट्र राज्य में 2 लाख से अधिक मिशन लाइफ संबंधी जागरूकता एवं जन-भागीदारी कार्यक्रमों में 31,49,967 प्रतिभागियों ने सहभागिता की है।

- भारत की प्रमुख अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियाँ निम्नलिखित हैं:

    - दिनांक 1 मार्च, 2024 को नैरोबी में आयोजित यूएनईए-6 के छठे सत्र में, श्रीलंका और बोलिविया द्वारा सह-प्रायोजित "सतत जीवन शैली को बढ़ावा देने" पर भारत के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से अपनाया गया।

    - दिनांक 30 जुलाई, 2025 को जिम्बाब्वे में आयोजित रामसर कन्वेंशन के 15वें सम्मेलन (सीओपी15) में, "आर्द्रभूमि के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए सतत जीवन शैली को बढ़ावा देना" पर भारत के प्रस्ताव को अपनाया गया था।

    - भारत सतत उपभोग और उत्पादन प्रतिरूपों (10वाईएफपी) पर 10-वर्षीय कार्यक्रम रूपरेखा (2024-26 और 2026-28) के बोर्ड के लिए लगातार कार्यकालों (वर्ष 2024-26 और वर्ष 2026-28) हेतु निर्वाचित किया गया था और वर्तमान में भारत इस बोर्ड के सह-अध्यक्ष के रूप में कार्य करता है, जिससे सतत जीवनशैली को बढ़ावा देने के वैश्विक एजेंडे को और अधिक मजबूती मिली है।

मिशन लाइफ को शर्म-एल-शेख कार्यान्वयन योजना (सीओपी27), जी20 न्यू डेल्ही लीडरर्स डिक्लेरेशन आदि जैसे वैश्विक मंचों में मान्यता दी गई है।

(ख) और (ग)  भारत पेरिस समझौते के तहत अपने राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) को प्राप्त करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। यूएनएफसीसीसी को भारत की प्रथम द्विवार्षिक पारदर्शिता रिपोर्ट (बीटीआर-1) के अनुसार, वर्ष 2005 की तुलना में वर्ष 2022 में जीडीपी की उत्सर्जन तीव्रता में 37.38% की गिरावट आई है। वर्ष 2005 से 2022 के बीच वन एवं वृक्ष आवरण द्वारा 2.44 बिलियन टन $CO_2$ समतुल्य का अतिरिक्त कार्बन सिंक सृजित किया गया है। भारत ने आने वाले 5 वर्षों में वर्ष 2030 के लक्ष्य के अनुसार, गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से अपनी संचयी स्थापित विद्युत शक्ति क्षमता का 50% से अधिक हासिल किया। प्रमुख पहलों में पीएम सूर्य घर: मुफ़्त बिजली योजना, राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन, राष्ट्रीय परमाणु मिशन, कार्बन कैप्चर, उपयोग एवं भंडारण (सीसीयूएस) कार्यक्रम शामिल हैं। इसके अलावा, जलवायु वित्त जुटाने और कम कार्बन विकास को गति देने के लिए, सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड और कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग स्कीम शुरू की गई है। जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपीसीसी) और जलवायु परिवर्तन संबंधी राज्य कार्य योजनाओं (एसएपीसीसी) के माध्यम से जलवायु अनुकूलन को मजबूत किया जा रहा है।

उपर्युक्त पहलें स्वच्छ विकास, ऊर्जा सुरक्षा, औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता तथा जलवायु अनुकूलन क्षमता को बढ़ावा देती हैं और भारत के विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में उसके परिवर्तनकाल को समर्थन प्रदान करती हैं। इस प्रकार, ये पहलें विकसित भारत @2047 के विज़न तथा वर्ष 2070 तक निवल शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने की भारत की प्रतिबद्धता के अनुरूप हैं।

*****